शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

की प्रस्तुति

गीतांजलि सृजन

(माह- जनवरी 2023)

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। #9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण
मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि
दिनांक- 02/01/2023
दिन- सोमवार

186

तर्ज-जिन्दगी की ना टूटे लड़ी

गीत- आओ खुशियाँ मनाएँ

खुशियों की ना टूटे झड़ी,
मिलकर खुशियाँ मनाएँ सभी।
बड़ी-बड़ी खुशियों को ढूंढे,
छोटी खुशियाँ नजर में नहीं।
मिलती है खुशियाँ कितनी ही ऐसी,
जो किसी गिनती में नहीं।
छोटी खुशियों को मनाएँ बड़ी।।
मिलकर खुशियाँ.....

सुख-दु:ख आते-जाते ही रहते,
कष्ट तो पाषाण भी हैं सहते।
गर बनना है मूरत किसी की,
आधात छेनी का हैं सहते।
पूजी जाएँगी प्रतिमा तभी।।
मिलकर खुशियाँ.....

जब तक अग्नि में है नही तपता,
कोई सोना कुन्दन नहीं बनता।
बननी है गर शोभा किसी की,
सहनी होगी चोट जौहरी की।
बनेगा वो आभूषण तभी।।
मिलकर खुशियाँ.....

रचना-
श्रीमती भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर (1-8)
क्षेत्र- परीक्षितगढ़, जनपद- मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि

दिनांक- 03.01.2023

दिन- मंगलवार

187

शिक्षा बड़ी जरूरी...

तर्ज- मिलो न तुम तो हम घबराएँ....

सुनो रे भैया, सुनो रे बहना...
मानो मेरा कहना...
बातें बड़ी जरूरी..
ये शिक्षा बड़ी जरूरी..
जोड़ो नाता ज्ञान से अपना...
पूरा होगा हर एक सपना...
ये शिक्षा बड़ी जरूरी...
ये शिक्षा बड़ी जरूरी...

अनपढ़ न रहना कोई,
अज्ञानता ये अभिशाप है...ओय ओय...
अनपढ़ न रहना कोई,
अज्ञानता ये अभिशाप है।
छीने जो हमसे कोई...
शिक्षा का हक वो तो पाप है...
करना कोशिश पूरी,
रहे न मंजिल से अब दूरी।
ये शिक्षा बड़ी जरूरी...
ये शिक्षा बड़ी जरूरी...

नहीं उमर हो पढ़ने की कोई,
जागोगे जब हो, तब सवेरा...ओय ओय...
नहीं उमर हो पढ़ने की कोई,
जागोगे जब हो, तब सवेरा।
बिन शिक्षा सब खाली-खाली...
साथ न देगा कोई तेरा...
अन्धकार में मत रहना तुम...
करना शिक्षा पूरी...
ये शिक्षा बड़ी जरूरी...
ये शिक्षा बड़ी जरूरी...

सुनो रे भैया, सुनो रे बहना...
मानो मेरा कहना...
बातें बड़ी जरूरी...
ये शिक्षा बड़ी जरूरी...
ये शिक्षा बड़ी जरूरी...

रचना
शिखा वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि०- स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि

दिनांक- 04-01-2023 दिन- बुधवार

188

गीत - साक्षरता

तर्ज़ - लोकगीत

साक्षरता अलख जगइबे हो,
सबके साक्षर बनइबे।

गाँव-गाँव में भईया स्कूल खुलल बा,
बेटा-बेटी में अंतर तू काहे करेला।
पढ़-लिख बिटिया आगे जे बढ़िहें,
दु कुल के नाम रोशन ऊ करिहें।
जागरूकता हम फइलइबे हो,
सबके साक्षर बनइबे।।

हम सब गुरुजन ई प्रण हऊवें कइले,
न रही निरक्षर कोई वीणा ई उठऊलें।
साक्षरता बीज हम घर-घर बोइबे,
अज्ञान, अँगूठा के निशान मिटइबे।
ज्ञान के मशाल हम जलइबे हो,
सबके साक्षर बनइबे।।

साक्षरता मिटाई अज्ञान क अँधेरा,
शिक्षा अभियान लाई सुखद सबेरा।
अशिक्षा अभिशाप अब केहु नाही ढोई,
शिक्षित परिवार, समाज सब होई।
शिक्षा के महत्व समझइबे हो,
सबके साक्षर बनइबे।।

साक्षरता अलख जगइबे हो,
सबके साक्षर बनइबे।

रचना-
सुमन सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० बिल्ली
वि० क्षे०- चोपन, सोनभद्र

189

तर्ज- बहारो फूल बरसाओ....

गीत- लगाओ वृक्ष सब मिलकर,

लगाओ वृक्ष सब मिलकर,
सुबह पर काली छाया है।
सुबह पर काली छाया है।।

सुखद न शाम होती है,
नहीं सुबहा सुखद होती।
हवाओं में घुली जो गन्ध,
वह विष को यहाँ बोती।।
हमें न साँस मिलती है,
बेबस नर-नारि काया है।
लगाओ वृक्ष......काली छाया है।।

धरा का ताप बढ़ता है,
हृदय अम्बर का तपता है।।
दिशाएँ दश यहाँ रोतीं,
न मानव भी पिघलता है।।
इक दिन रोयेगा जी-भर,
समय विकराल आया है।
लगाओ......काली छाया है।।

रचना
जुगल किशोर त्रिपाठी
प्रा० वि- बम्हौरी
वि० क्षे०- मऊरानीपुर
जनपद- झाँसी (उ०प्र०)

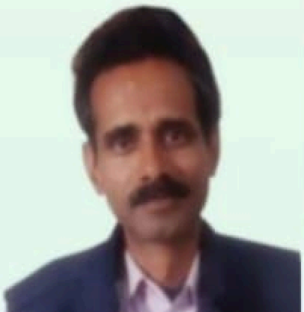

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि

दिनांक- 06/01/2023

दिन- शुक्रवार

190

तर्ज़- आओ बच्चों तुम्हें दिखाएँ...

सड़क सुरक्षा

सड़क सुरक्षा के नियमों को, आओ तुम्हें बताएँ हम।
करोगे पालन जब इनका तो, रहोगे सलामत हरदम।।
जीवन रक्षक हैं, सड़क के ये नियम.....

लगा के हेलमेट दो पहिया, वाहन में चलना चाहिए।
कार चलाते समय सदा ही, सीट बेल्ट को बाँधिए।।
जेबरा क्रॉसिंग को पहचानो, पैदल इसी पे चलना है।
न हो ज़ेबरा क्रॉसिंग तो, फुटपाथ का प्रयोग करना है।।
सुन लो भैया, सुन लो बहना, बता रहे तुमको जो हम।
करोगे पालन जब इनका तो, रहोगे सलामत हरदम।।
जीवन रक्षक हैं, सड़क के ये नियम.....

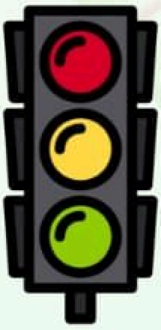

मोबाइल में गाड़ी चलाते, वक्त बात नहीं करना है।
यातायात के संकेतों का, ध्यान भी हमें रखना है।।
लाल बत्ती कहे रुको, तैयार पीली में रहना है।
और हरी बत्ती जब देखो, तब ही आगे बढ़ना है।।
तेज गति से तौबा करना, शराब करती नहीं रहम।
करोगे पालन जब इनका तो, रहोगे सलामत हरदम।।
जीवन रक्षक हैं, सड़क के ये नियम.....

सदा देखकर दाएँ-बाएँ, पार सड़क को करना है।
नहीं खेलना सड़क पे बच्चों, और कभी न दौड़ना है।।
सड़क पे घायल, असहायों की, मदद को आगे बढ़ना है।
चलते वाहन में न चढ़ना, और न कभी उतरना है।।
लापरवाही करे तुम्हारे, परिवारों की आँखें नम।
करोगे पालन जब इनका तो, रहोगे सलामत हरदम।।
जीवन रक्षक हैं, सड़क के ये नियम....

रचना-
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी भाग-1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि

दिनांक- 07/01/2023

दिन- शनिवार

191

तर्ज- साँवली सूरत पे मोहन...
शीर्षक- शिक्षा का खजाना

स्कूल के आँगन में शिक्षा का खजाना मिल गया,
स्कूल के आँगन में विद्या का खजाना मिल गया।

एक तो गुरु सारे अच्छे,
दूसरे प्यारे हैं बच्चे,
तीसरा यहाँ रोज आना,
इक खजाना मिल गया....
स्कूल के आँगन में.........

एक तो पढ़ना किताबें,
दूसरा है खेलना,
तीसरा मिलकर है खाना,
इक खजाना मिल गया.....
स्कूल के आँगन में ....

एक तो भाषा का ज्ञान,
दूसरे सीखें विज्ञान,
तीसरा गणित सुलझाना,
इक खजाना मिल गया...
स्कूल के आँगन में.........

एक तो है सीखना,
दूसरे सबको सिखाना,
तीसरा निपुण बनाना,
इक खजाना मिल गया...
स्कूल के आँगन में शिक्षा का खजाना मिल गया।

रचना
ज्योति सागर' सना (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना (1-8)
बागपत, बागपत

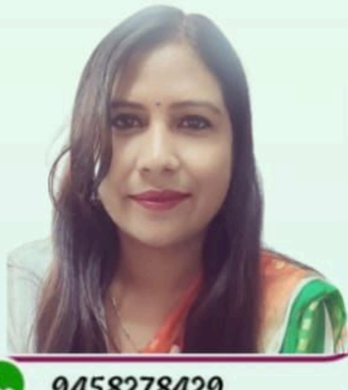

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि

दिनांक- 09/01/2023

दिन- सोमवार

192

हाथ धुलाई दिवस

तर्ज़- सावन का महीना, पवन करे शोर...

अच्छी आदत अपनाओ, बुरी आदत करो दूर।
हाथ धोने की आदत, बच्चों अपनाओ जरूर।।

खाने से पहले बच्चों हाथों को धोना,
मलमल कर धोना छूटे कोई ना को,
कीटाणुओं को मारे, रोगों को करें दूर।
हाथ धोने की आदत, बच्चों अपनाओ जरूर।।
अच्छी आदत अपनाओ, बुरी आदत करो दूर........

खूब तुम पढ़ो लिखो, खूब बच्चों खेलो,
लेकिन घर आकर, अपने हाथों को धो लो,
हाथ नहीं धोये तो, खाना नहीं मंजूर।
हाथ धोने की आदत बच्चों अपनाओ जरूर।।
अच्छी आदत अपनाओ, बुरी आदत करो दूर........

15 अक्टूबर का दिन आज आया,
"हाथ धुलाई दिवस" सबने मनाया,
स्वच्छता रखोगे, चेहरे पर रहेगा नूर।
हाथ धोने की आदत, बच्चों अपनाओ जरूर।।
अच्छी आदत अपनाओ, बुरी आदत करो दूर........

रचना

हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा० वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण
मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि
दिनांक- 10-01-2023
दिन- मंगलवार

193

तर्ज- जनम जनम का साथ है हमारा तुम्हारा

सशक्त बालिका

हमसे न तुम उलझो,
मानो कहा हमारा,
हाँ मानो कहा हमारा।
फिर भी जो न माने तो,
दूँगी मैं जबाव करारा।।

हम तो पँख लगाकर अम्बर को छू आयें।
नहीं किसी की हिम्मत जो हम पर रोक लगाये।
तुमको ही तो नहीं है हमने बहुतों को है सुधारा।।
हमसे न तुम उलझो...

बहुत सहा है हमने अब और सहा न जाये।
बेटी, बहन और माँ हैं हम, और कहा न जाये।
हमसे ही तो रोशन है ये घर, आँगन, चौबारा।।
हमसे न तुम उलझो.....

रचना
रश्मि (प्र० अ०)
प्रा० वि० गुलाबपुर
भागयनगर, औरैया।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण
मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि
दिनांक- 11-01-2023
दिन- बुधवार

194

तर्ज- आओ बच्चों! तुम्हें दिखाएँ...

गीत- मेरे देश की माटी सोना...

मेरी देश की माटी सोना,
सोना मेरा कण-कण है।
इसी देश में हीरा-मोती,
जानें इसको जन-जन है।।

इसी देश की माटी पर हाँ,
राम-कृष्ण ने जन्म लिया।
इसी देश की माटी पर, हाँ,
जलते त्योहारों पै दिया।।

उन्हीं दियों में रोशन होता,
देश-धर्म का नर्तन है।
मेरे देश की माटी सोना,
सोना मेरा कण-कण है।।

झरने अविरल नदियाँ बहतीं,
यहाँ रात-दिन सुनलो तुम।
कृषक यहाँ धन-धान्य उगाते,
समृद्धि है, गरीबी गुम।।
समृद्धि में लहराता है,
एक तिरंगा, जन-गण है।
मेरे देश की माटी सोना,
सोना मेरा कण-कण है।।

रचना
जुगल किशोर त्रिपाठी
प्रा० वि०- बम्हौरी
वि० क्षे०- मऊरानीपुर
जनपद- झाँसी (उ०प्र०)

195

धरती की शोभा...

तर्ज़- ज़िन्दगी की न टूटे लड़ी....

धरती की शोभा है घट रही...
पेड़ों की छाया कम पड़ रही।
हरियाली यहाँ खो गयी....2
ऑक्सीजन की भारी कमी।
धरती की शोभा है घट रही...2
पेड़ों की छाया कम पड़ रही।ओ...ओ...

ओ...ओ...ओ...ओ....
ओ...ओ...ओ...ओ....

इन वनों को न काटो कोई..
इनसे दुनिया की गाड़ी चले।
इन वनों को न काटो कोई..
इनसे दुनिया की गाड़ी चले।
झरने, नदियाँ, महासागर ये....2
सब वनों की ही गोदी पले।
ओ...ओ...ओ...ओ...
पर्वतों, चोटियों को ढके....
लगती लम्बी कतारें भली...
धरती की शोभा है घट रही...ओ..ओ...
पेड़ों की छाया कम पड़ रही।

ओ...ओ...ओ...ओ...
ओ...ओ...ओ...ओ...

बादलों को हैं लाते यही...
छाया शीतल है पाता ये तन।
बादलों को हैं लाते यही....
छाया शीतल है पाता ये तन।
पर्वतों के ये हैं आभूषण...2
इस धरा की चुनरिया हैं वन...
ओ...ओ...ओ...ओ...
आओ मिलकर बचाएँ ये वन...
कर दें अर्पण ये तन और मन।
धरती की शोभा है घट रही...ओ..ओ...
पेड़ों की छाया कम पड़ रही।

रचना
शिखा वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि०- स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

196

तर्ज-रचा है सृष्टि को जिस प्रभु ने

मिशन गीत

जो दूर रहते थे इस मिशन से,
सभी मिशन के गुण गा रहे हैं।
जिसने इस बगिया को बनाया,
तरह-तरह के फूलों से सजाया।
वही फूल खुशबू फैला रहे हैं।।
सभी मिशन के...

बड़े जतन से बीज उगाया,
कीमती अपना समय लगाया।
फल उसके अब हम सब खा रहे हैं।।
सभी मिशन के...

परहित साधा कलम से अपनी,
सभी को दी है ऊर्जा इतनी।
लाभ इसका सभी उठा रहे हैं।।
सभी मिशन के...

रचना-
श्रीमती भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर (1-8)
क्षेत्र- परीक्षितगढ़, जनपद- मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण
मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि
दिनांक- 16/01/2023
दिन- सोमवार

197

तर्ज : ये गोटेदार लहंगा........

तिरंगा

भारत की आन तिरंगा,
लहरे जब शान से।
झुक जाए सारी दुनिया,
इसके सम्मान में।।

अम्बर से ऊंचा तिरंगा,
गुलशन है मेरा।
इसकी हर इक डाली पर,
चमके सवेरा।
पर्वत और नदियाँ इसकी,
करते गुणगान हो।।
झुक जाए सारी......

खड़ा हिमालय प्रहरी उत्तर किनारे,
हिन्द महासागर है पाँव पखारे।
जब तक गंगा-जमुना में लहरें उफान ले।
लगते रहेंगे भारत माता के नारे,
वचन दिया भारत को दिलों जां कुर्बान कर।।
झुक जाए..........

केसरिया रंग का जलवा,
त्याग और बलिदान से।
ये तो निशानी प्यारी,
मां बहनों के सुहाग की।
रंग सफेद से पावन काया हिंदुस्तान की,
हरियाली फैली चहुँ ओर इसकी ही शान में।।
झुक जाए.........

बच्चा-बच्चा हिन्द का देखे ये सपना,
झुकने ना देंगे हम तिरंगा ये अपना।
धरती, अम्बर, पर्वत, नदियाँ इसकी
मुस्कान है।।
झुक जाए सारी.............

रचना

शालिनी गुप्ता (स०अ०)
उ० प्रा० वि० मुर्धवा (कंपोजिट)
म्योरपुर, सोनभद्र

197

नारी

तर्ज़ ~ लोकगीत

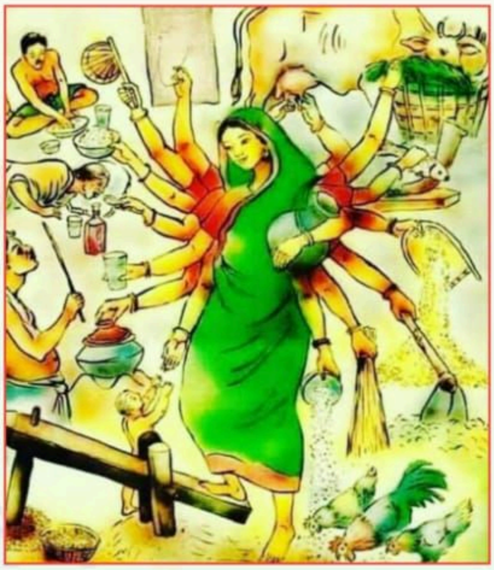

घर की उजियारा है नारी,
सृष्टि की दिव्यता है नारी।
हम बात करें आराध्या की,
नारी तो सब पर है भारी।।

पुरुवा के झोके सी नारी,
पूजा के थाली सी है नारी।
हर मन की पीड़ा हरने को,
ईश्वर ने रची रचना नारी।।

दुर्गा का रूप साकार लिए,
प्रतिभा का आकार लिए।
सुख-दुख जीवन का हरने को,
जीवन प्रीत का रूप है नारी।।

जो भाव उमड़ते हृदय में,
उसकी भी पूरक है नारी।
हर घर का ही आधार स्तंभ,
उर्वरा भूमि सी है नारी।।

रचना-
सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० रुद्रपुर खजनी
जनपद- गोरखपुर

198

निपुण बने हर बच्चा

ज्ञान का दीप फिर जलाना है, हर बच्चा निपुण बनाना है।
स्वप्न पूरा ये कर दिखाना है, हर बच्चा निपुण बनाना है।।

विद्या प्रवेश और चहक कार्यक्रमों का संचालन,
करने को तत्पर हैं, हम सभी गुरुजन।
टी० एल० एम०, गतिविधियों, का प्रयोग करना है,
नयी शिक्षा नीति का, करना हैं पालन।।
मातृभाषा में ही सिखाना है,
हर बच्चा निपुण बनाना है।

पढ़ने की आदत आए, प्रिण्ट समझ ये पाएँ,
ध्वनि जागरुकता का करना है जतन।
भाषा कौशल का ध्यान, भी हर पल रखना है,
देखना है प्रगति को, इनकी हर एक क्षण।।
मूलभूत साक्षरता लाना है,
हर बच्चा निपुण बनाना है।।

तर्ज़- धीरे-धीरे प्यार को...

गणित किट से हो आसान, आकृतियाँ संख्या ज्ञान।
मापन, पैटर्न बाँधे तर्क से बन्धन,
गणित के भी लक्ष्यों को, बच्चे सारे पा जाएँ,
आत्मविश्वास से भर जाए बालमन।।
खेल-खेल में इन्हें सिखाना है,
हर बच्चा निपुण बनाना है।।

रचना-
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी भाग-1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

199 गीत- हमहूँ अब खीरा लगाइब

तर्ज़- लोकगीत

खेती में किस्मत अजमाइब,
हमहूँ अब खीरा लगाइब।

उन्नत बीया बाबतपुर से लियइबऽ,
खेतवा के खन-खोद मेड़ी बनइबऽ।
जैविक संगवा देबऽ खाद डाई,
हमहूँ अब खीरा......................।।

समय-समय पर सिंचाई भी करबऽ,
कीड़ा ना लगें कीटनाशक भी मरबऽ।
चरवाहा पशु से बचाइब,
हमहूँ अब खीरा.......................।।

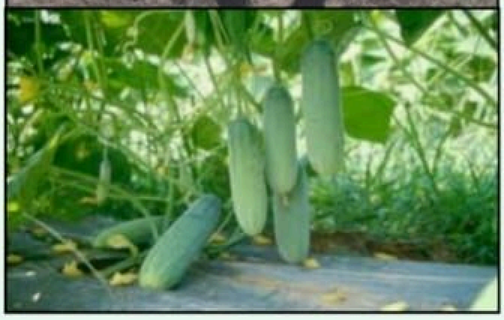

फसल बेच मंडी में पइसा कमइबऽ,
साज-सामान रखि घरवा सजइबऽ।
सजनी के झुलनी बनवाइब,
हमहूँ अब खीरा.....................।।

रचना- अरविन्द कुमार सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० धवकलगंज
वि० क्षे०–बड़ागाँव
जनपद–वाराणसी

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि

दिनांक- 19-01-2023 दिन- गुरुवार

200

मिशन गीत

तर्ज़- होंठो से छू लो तुम....

आ जाओ मिशन में सब, एक जोश नया भर दें,
बन जाओ मिशनमयी सब, कुछ काम नया कर दें।

न नियमों का बंधन हो, न कहीं अशिक्षा हो,
हल कर दें उसको हम, जब कोई समस्या हो।
नवाचार चला कर के, नवजागृति हम कर दें।।
आ जाओ मिशन में....

न कोई अकेला हो, हम मिलकर चलें हरदम,
साक्षरता, शिक्षा हो, बेरोजगारी होगी कम।
दृढ़संकल्प हो जायें हम, एक क्रांति हम कर दें।।
आ जाओ मिशन में....

चाहे काव्यांजलि हो, चाहे टी एल एम की बात,
शैक्षिक गुणवत्ता हो, शिक्षा की महत्ता हो।
हरदम करके संवाद, शिक्षण बेहतर कर दें।।
आ जाओ मिशन में....

मिशन शिक्षण संवाद

रचना
अर्चना यादव (प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8) परसू
सहार, औरैया।

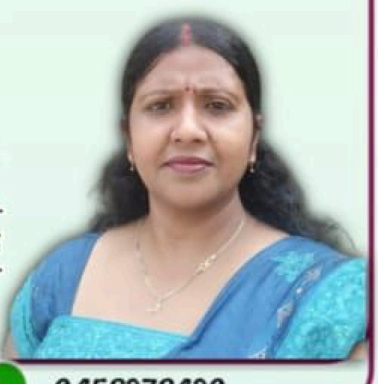

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि

दिनांक- 20.01.2023

दिन- शुक्रवार

201

गीतांजलि गीत

तर्ज - सुभान अल्लाह-सुभान अल्लाह

गीतांजलि....गीतांजलि.....
गीतांजलि.....गीतांजलि.....
कविता कुंज से, बनी वाटिका
काव्यांचल पर अभिराम।
श्रम और परिश्रम- जल से हैं सिंचित
पाए कहीं ना विराम।।
गीतों का गुलशन, भँवरों का गुंजन,
गीतों की ये गली .....
गीतांजलि....गीतांजलि.....
गीतांजलि.....गीतांजलि.....

नाट्य कुशलता है सबके सम्मुख,
परिदर्शित है मंचन।
कोई न जाने गीतों के पीछे
लय से करें अभिसिंचन।।
विचार मंथन से, भावों के दोहन से,
पियुष धार निकली......
गीतांजलि....गीतांजलि.....
गीतांजलि.....गीतांजलि....

कितने ही कविवर आये, समाये ,
पाए सफलता यहाँ।
"कुंभकार" की, थपकी से संभले
दिए कई इम्तहाँ।।
मरू मरीचिका, सी हुई विभीषिका,
खिली यह कोमल कली ....
गीतांजलि....गीतांजलि.....
गीतांजलि.....गीतांजलि.....

रचना-
पूनम गुप्ता "कलिका" (स०अ०)
प्रा० वि० धनीपुर,
क्षेत्र- धनीपुर, अलीगढ़, उ०प्र०

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि

दिनांक- 21-01-2023

दिन- शनिवार

202

तर्ज- महबूब मेरे.. महबूब मेरे,

गीत- ऐ देश मेरे..ऐ देश मेरे,

हे देश मेरे..हे देश मेरे,
जो तू है तो, सब कुछ यहाँ है।
जो तू नहीं तो, सब कुछ कहाँ है?
हे देश मेरे..हे देश मेरे।।

तेरे ही दम पर, हम खुशहाल यहाँ पे हैं।
तेरी ही छाँवों में, हम पलते यहाँ पे हैं।।
यहाँ जीवन भी मेरा, धर्म, कर्म भी यहाँ।
हे देश मेरे..हे देश मेरे।।

तुममें ही लहराते हैं, नदियाँ अरु सागर।
फूलों की खुशबू में झूँमें, सब खुशियाँ पाकर।।
मुझे गर्व है तुम पे, नाचूँ मैं हँसकर मैं यहाँ।
हे देश मेरे, हे देश मेरे।।

हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, रहते हैं यहाँ।
जाँति-पाँति का भेद नहीं सब कहते हैं यहाँ।।
देश मेरा सोने की चिड़िया, कहते सब यहाँ।
हे देश मेरे..हे देश मेरे।।

रचना
जुगल किशोर त्रिपाठी
प्रा० वि- बम्हौरी
वि० क्षे०- मऊरानीपुर
जनपद- झाँसी (उ०प्र०)

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि

दिनांक- 23/01/2023 दिन- सोमवार

203

तर्ज- है प्रीत जहां की रीत सदा...
गीत- हिन्दी भाषा

है हिन्दी भाषा का परचम मैं आज यहाँ लहराती हूँ,
हर भाषा की जननी हिन्दी इसका अभिज्ञान कराती हूँ।

लौकिक संस्कृत से यह जन्मी आधुनिक आर्य भाषा है,
सिंधु शब्द का प्रतिरूप और गौरवशाली गाथा है।
गरिमा इसकी जानी सबने-2 मैं आज तुम्हें बतलाती हूँ।।
है हिंदी भाषा---

लहंदा, पंजाबी, सिंधी, बंगला, उड़िया और बिहारी भी,
अवधी, बघेली, भोजपुरी और मागधी, मैथिली भी।
हर भाषा का उद्गम है ये-2 इतिहास तुम्हे मैं सुनाती हूँ।।
है हिन्दी भाषा----

राज्य भाषा यह भारत की और साहित्य की दाता है,
गजल, छंद और दोहे, कविता सबकी बनी विधाता है।
गद्य और पद्य की देवी-2 जिसको शब्दों में गाती हूँ।।
है हिन्दी भाषा---

रचना-
ऋतु अग्रवाल (स०अ०)
रागिनी संगीतशाला,
ब्रह्मपुरी, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि

दिनांक- 24.01.2023

दिन-मंगलवार

204

गीत- ये शिक्षा बड़ी जरूरी...

तर्ज- मिलो न तुम तो हम घबराएँ...

सुनो रे भैया, सुनो रे बहना...
मानो मेरा कहना...
बात ये बड़ी जरूरी...
ये शिक्षा बड़ी जरूरी...
जोड़ो नाता ज्ञान से अपना...
पूरा होगा हर एक सपना...
ये शिक्षा बड़ी जरूरी...

अनपढ़ न रहना कोई...
अज्ञानता ये अभिशाप है...
छीने जो हमसे कोई...
हक पढ़ने का तो, वो भी पाप है...
करना अपनी पूरी कोशिश...
ये शिक्षा बड़ी जरूरी...

नहीं उमर हो पढ़ने की कोई...
जागोगे जब हो, तब सवेरा...
बिन शिक्षा सब खाली-खाली...
साथ न देगा कोई तेरा....
अन्धकार में मत रहना तुम....
करना शिक्षा पूरी....
ये शिक्षा बड़ी जरूरी...

सुनो ये भैया, सुनो ये बहना...
मानो मेरा कहना...
बात ये बड़ी जरूरी...
ये शिक्षा बड़ी जरूरी...

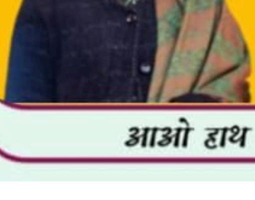

रचना
शिखा वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि०- स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि

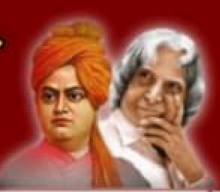

दिनांक- 25-01-2023

दिन- बुधवार

205

शिक्षा का दीप

तर्ज़ ~ वो दिल कहां से लाऊं तेरी याद जो भुला दे..

शिक्षा दीप

वो दीप कहाँ से लाऊँ,
अज्ञान जो मिटा दे।
हे जगत के खिवैया!
अब रास्ता दिखा दे।।

जलता रहेगा जगमग,
ये ज्ञान का उजाला।
गुरु जी से है प्रकाशित,
हर मन में भी उजाला।
विद्यालय का पथ माँ,
हर बालक को दिखा दे।।
वो दीप.....

शुभता जगाता जग में,
ज्ञान का ये दीपक।
करता है नाश जग से,
अज्ञान का ये दीपक।
जग का तमस ओ शिक्षक,
हर मन से तू मिटा दे।।
वो दीप....

उत्सव लगेंगे हर रोज,
हर रोज ही दिवाली।
भर जाये सबकी झोली,
जाये न कोई खाली।
निर्बल को ज्ञान का बल,
ऐ मालिक तू दिला दे।।
वो दीप....

रचना-
सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० रुद्रपुर खजनी
जनपद- गोरखपुर

206

गणतन्त्र दिवस फिर आया

तर्ज़- ज़िन्दगी एक सफर है सुहाना...

गणतन्त्र दिवस फिर आया।
नव संकल्पों को लाया।।

शान भारत की जाने ना पाए,
मिल के तिरंगा हम लहराएँ।
उत्सव बनके फिर आया,
नव संकल्पों को लाया।।
गणतन्त्र दिवस.......

कदम मिलाकर बढ़ना है आगे,
बाँधने है एकता के फिर से अब धागे।
आओ सोचें क्या खोया क्या पाया,
नव संकल्पों को लाया।।
गणतन्त्र दिवस.......

संस्कृति, सभ्यता अपनी है ऐसी,
फैल रही खुशबू फूलों के जैसी।
मन है फिर से हर्षाया,
नव संकल्पों को लाया।।
गणतन्त्र दिवस.......

रचना-
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी भाग-1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि

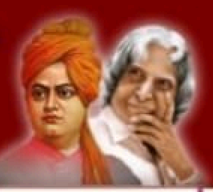

दिनांक- 27/01/2023

दिन- शुक्रवार

207 गीत- कर्म से ही पहचान हो

तर्ज़- लोकगीत

कर्म प्रधान विश्व ई हवुए,
कर्म से ही पहचान हो।
कर्म के फल से मिले सफलता,
कर्म के ही गुणगान हो।।

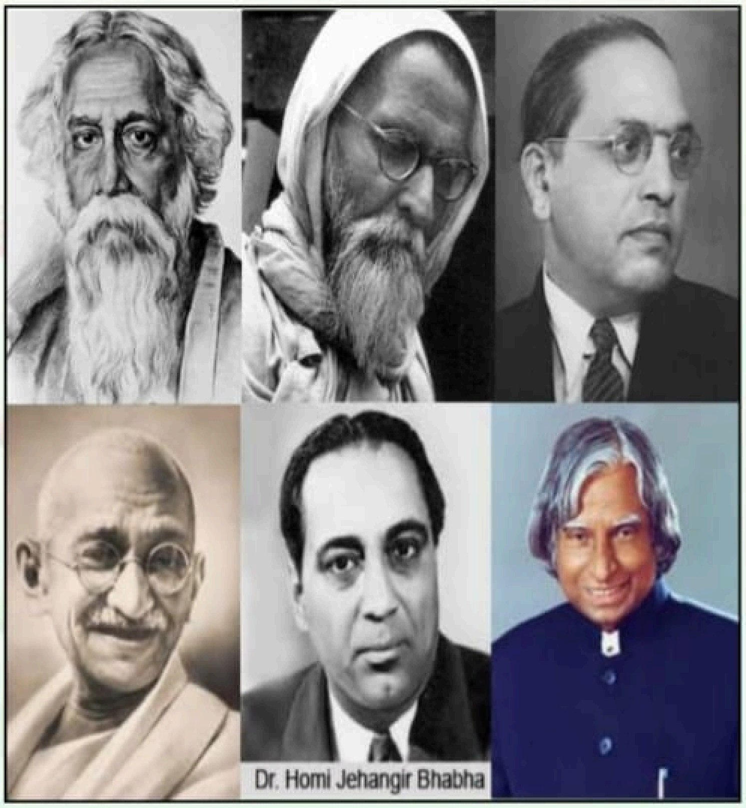

जवन भी काम करीं हम आपन,
मनवाँ खूब लगाईं।
आलस अऊर निराशा छोड़ि के,
कमवाँ के निपटाईं।।
सही समय पर काम जे होई,
मिले नई पहचान हो।
कर्म के फल...............

छोटका, बड़का सबपे लागू,
इतिहास हौ साक्षी।
गुरु रविन्द्र औ विनोबा भावे,
अम्बेडकर संग गांधी।।
भाभा अऊर कलाम सा बनिके,
देश के बनिहऽ शान हो।
कर्म के फल.................

रचना- अरविन्द कुमार सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० धवकलगंज
वि० क्षे०–बड़ागाँव
जनपद–वाराणसी

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।

9458278429

208

तर्ज़- कदम कदम बढ़ाए जा...

गीत- शिक्षा की लौ

शिक्षा की लौ जलाये जा, तू बच्चों को पढ़ाये जा।
ये जिन्दगी है देश की, सेवा में तू लगाये जा।।

तम को काट आगे बढ़, हरगिज ना मुश्किलों से डर।
बनाके सबको साक्षर, कर्त्तव्य निज निभाये जा।।
शिक्षा की लौ जलाये जा....

हर बच्चे को दुलार दे, भविष्य तू संवार दे।
फैलाके हौसलों के पर, उड़ना उन्हें सिखाये जा।।
शिक्षा की लौ जलाये जा....

रहे ना कोई बेपढ़ा, ज्योत तू घर-घर जगा।
एकता के सूत्र में, जन-जन को तू पिरोये जा।।
शिक्षा की लौ जलाये जा....

रचना- पूनम नैन, (स0अ0)
उ0 प्रा 0वि0 मुकंदपुर
छपरौली, बागपत

209

गीत - बेटी की पुकार

तर्ज़ - लोकगीत

बाबा सुन लीं अरज तनि हमरो हो,
विद्यालय में हमहु त पढ़िबे हो।

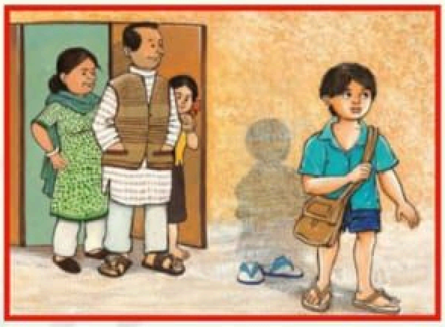

भईया जावत हैं स्कूल,
पावें ज्ञान क सुंदर फूल।
हम बस घर के काम करीं,
इ बात नाहीं देंखी अनुकूल।
पढ़-लिख के आगे हमहु त बढ़िबे हो,
विद्यालय में हमहु त पढ़िबे हो।

शिक्षा क अधिकार मिलल बा,
बाबा सबहीं बच्चन के।
पढ़े से काहे वंचित रख त,
ए बाबा आपन बिटियन के।
भविष्य हमरो त रऊवे ही गढ़िबें हो,
विद्यालय में हमहु त पढ़िबे हो।

मदद करब घर के कामन में,
विद्यालय भी रोजे जाइब हम।
चिन्ता के कऊनो बात नाहीं,
बाबा दुनों फर्ज निभाइब हम।
प्यारे बाबा अब हामी रऊवो त भरिबें हो,
विद्यालय में हमहु त पढ़िबे हो।

बाबा सुन लीं अरज तनि हमरो हो,
विद्यालय में हमहु त पढ़िबे हो।

रचना-
सुमन सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० बिल्ली
वि० क्षे०- चोपन, ज०- सोनभद्र

210

मिशन शक्ति गीत- बन जा आज भवानी...

तर्ज- हम लोगों को समझ सको तो...

हनन हेतु अत्याचारी का, बन जा आज भवानी।
अपने साहस से लिख दो तुम, अनमिट एक कहानी।।

जन्म हुआ अरु मातु पिता ने, बड़े नाज़ से पाला।
मन में उनके मात्र फर्क नहीं, बालक सम ही बाला।
ज्यों ज्यों बढ़ती उम्र लली की, चिंता उन्हें सताये।
गली-गली में फिरें भेड़िये, कैसे बाहर जाये।
आग भरो बेटी में इतनी, छूते माँगे पानी।
अपने साहस से लिख दो तुम, अनमिट एक कहानी।।

तुम्हीं अपाला गार्गी घोषा, तुम ही दुर्गा रानी।
रण चण्डी तुममें ही बसती, तुम ही हो कल्यानी।
रग-रग में तुम भरो ऊर्जा, बन जाओ इक शोला।
भरो भाव सम महाभैरवी, तजो रूप ये भोला।
तुम ज्वाला हो, आदि शक्ति तुम, तुम झाँसी की रानी।
अपने साहस से लिख दो तुम, अनमिट एक कहानी।।

खुद ही अपनी रक्षक बन जा, कर न किसी से आशा।
कोमल हो कमजोर नहीं हो, त्यागो सभी निराशा।
दामन को छूने की कोशिश, करे अगर अभिमानी।
काटो और मिटा दो उसको, याद दिला दो नानी।
नारी के गौरव की गाथा, फिर से है दुहरानी।
अपने साहस से लिख दो तुम, अनमिट एक कहानी।।

रचना

गुँजन शुक्ला (प्र०अ०)
प्रा० वि० गणेश पार्क
नगर क्षेत्र, औरैया

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

रचनाकारों की सूची

भावना शर्मा, मेरठ	सुषमा त्रिपाठी, गोरखपुर
शिखा वर्मा, सीतापुर	शालिनी गुप्ता, सोनभद्र
सुमन सिंह, सोनभद्र	अरविन्द कुमार सिंह, वाराणसी
जुगल किशोर त्रिपाठी, झांसी	अर्चना यादव, औरैया
ज्योति विश्वकर्मा, बांदा	ऋतु अग्रवाल, मेरठ
ज्योति सागर, बागपत	पूनम गुप्ता, अलीगढ़
हेमलता गुप्ता, अलीगढ़	पूनम नैन, बागपत
रश्मि, औरैया	गुंजन शुक्ला, औरैया

मार्गदर्शन

राजकुमार शर्मा, चित्रकूट

तकनीकी सहयोग

जितेन्द्र कुमार, बागपत

ज्योति सागर, बागपत

नैमिष शर्मा, मथुरा

संकलन :- गीतांजलि टीम, मिशन शिक्षण संवाद